# वानिकी समाचार

भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद्

वर्ष–6 » जुलाई–दिसम्बर, 2014 » अंक–2 »


## 13वां वन संवर्धन सम्मेलन

13वें वन संवर्धन सम्मेलन का उद्घाटन

वन अनुसन्धान संस्थान, देहरादून द्वारा दिनांक 24 से 28 नवम्बर 2014 तक पांच दिवसीय वन – संवर्धन सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन का उद्घाटन महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड डॉ. अजीज कुरेशी द्वारा किया गया।

सम्मेलन में वानिकी संबंधित आठ प्रकरणों के अन्तर्गत विभिन्न समस्याओं पर चर्चा की गई। विषय–वस्तु के तहत अनुवर्ती कार्यक्रम किये गए जिनमें बांस का उपयोग बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी की भूमिका पर राष्ट्रीय सेमीनार, औषधीय पादपों तथा अकाष्ठीय वन उत्पादों के सतत् प्रबन्धन पर राष्ट्रीय कार्यशाला, वनों के बाहर वृक्ष तथा काष्ठ आधारित उद्यम एवं वानिकी तथा खनन पर राष्ट्रीय हितधारकों की बैठक : राष्ट्र की सेवा के अंतरापृष्ठ।

तेरहवें संवर्धनिक सम्मेलन 2014 के अवसर पर व.अ.सं., देहरादून में दिनांक 25 से 27 नवम्बर 2014 तक राष्ट्रीय बांस हस्तशिल्प मेला का आयोजन किया गया जिसमें भा.वा.अ.शि.प. के संस्थानों, हस्तशिल्पियों तथा देश के विभिन्न भागों से आये बांस आधारित उद्यमियों ने भाग लिया।

व.अ.सं., देहरादून में राष्ट्रीय बांस हस्तशिल्प मेला

राज्य वन विभागों के अधिकारियों, वैज्ञानिकों, हितधारकों, विद्यार्थियों तथा किसानों सहित देश भर से आये 400 से अधिक भागीदारों ने सम्मेलन में भाग लिया।

पुस्तक – "स्लेम–बेस्ट प्रेक्टिसिस फ्रॉम इंडिया" का विमोचन

### "वुड इज गुड : काष्ठ उपयोजन में वर्तमान प्रवृत्तियां तथा भविष्य की सम्भावनायें"

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार के तहत भा.वा.अ.शि.प. के अधीनस्थ संस्थान का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर द्वारा दिनांक 21 से 23 नवम्बर 2014 तक बैंगलोर में "वुड इज गुडः काष्ठ उपयोजन में वर्तमान प्रवृत्तियां तथा भविष्य की सम्भावनायें" विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। उद्घाटन सत्र में श्री एच. एन. अनन्त कुमार, माननीय राज्यमंत्री, रसायन एवं उर्वरक, उपस्थित थे। डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने समारोह की अध्यक्षता की।

भारत सहित विभिन्न देशों जैसे यू.एस.ए., कनाडा, मलेशिया, यू.के, न्यूजीलैण्ड, फिलीपाईन्स के 150 से अधिक प्रतिनिधियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया।

''वुड इज गुडः काष्ठ उपयोजन की वर्तमान प्रवृत्तियां तथा भविष्य की संभावनायें" पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन

## विदेशों में आयोजित बैठकें/कार्यशालाओं/सिम्पोजियमों आदि में भा.वा.अ.शि.प. की भागीदारी

श्री अदित्य कुमार, वैज्ञानिक–बी, व.उ.सं., रांची ने दिनांक 16 से 22 अगस्त 2014 तक चीन में एक सप्ताह का अभिज्ञता दौरा किया। यह दौरा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आई.आई.पी.ए., नई दिल्ली में "सरकारी क्षेत्र में कार्यरत वैज्ञानिकों/तकनीशियनों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम" के तहत प्रायोजित किया गया था।

श्रीमती नीना खांडेकर, भा.व.से., प्रमुख, आर.एस.एम. प्रभाग, व.अ.सं., देहरादून, डॉ. के. मुरूगेसन, भा.व.से., का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर, डॉ. एच.एस. गिनवाल, प्रमुख, श्री राजेन्द्र कुमार मीना, वैज्ञानिक–सी, वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन प्रभाग, व.अ.सं., डॉ. राजेश शर्मा, वैज्ञानिक–एफ, हि.व.अ.सं., शिमला, डॉ. आर. यशोदा, वैज्ञानिक–एफ, डॉ. महेश्वर हेज, वैज्ञानिक–ई, डॉ. कान्नन सी.एफ. वेरिअर, वैज्ञानिक–ई तथा डॉ. ए. सी. सूर्य प्रभा, वैज्ञानिक–सी, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने दिनांक 02 से 12 सितम्बर 2014 तक यू.एस.ए.आई.डी.–इन्डिया–एम.ओ.ई.एफ. के सहयोगात्मक कार्यक्रम के तहत इन्डियाना तथा कैलीफोर्निया, यू.एस. में वृक्ष फसल सुधार पर अध्ययन दौरे में भाग लिया।

डॉ. आर. सुन्दराज, वैज्ञानिक–जी, का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर, डॉ. मीना बख्शी, वैज्ञानिक–ई, व.अ.सं., देहरादून तथा डॉ. आर. यशोदा, वैज्ञानिक–एफ, व.अ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने साल्ट लेक सिटी यू.एस.ए. में दिनांक 04 से 11 अक्टूबर 2014 तक आयोजित आई.यू.एफ.आर.ओ. की XXIV विश्व कॉन्ग्रेस में भाग लिया, और प्रलेख प्रस्तुत किया।

डॉ. टी. पी. सिंह, स.म.नि. (बी.सी.सी.), भा.वा.अ.शि.प. ने थिम्पू, भूटान में आयोजित "आर.ई.डी.डी. प्लस प्लानिंग वर्कशाप–कम–इम्पैक्ट पाथवे प्रशिक्षण" नामक तीन दिवसीय कार्यशाला में दिनांक 28 से 30 अक्टूबर 2014 तक पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया।

डॉ. टी. पी. सिंह, स.म.नि. (बी.सी.सी.), भा.वा.अ.शि.प. ने यू.एस.ए.आई.डी. द्वारा प्रायोजित 'ट्रिपल बॉटम लाईन मल्टी क्राइटेरिया एनालिसिस', पर दिनांक 16–21 नवम्बर 2014 तक छियांग माई, थाईलैन्ड में क्षेत्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला में भाग लिया।

श्री वी.आर.एस. रावत, वैज्ञानिक–ई ने दिनांक 01 से 12 दिसम्बर 2014 तक भारतीय प्रतिनिधि मण्डल के सदस्य के रूप में लीमा (पेरू) में आयोजित एस.बी.एस. टी.ए./एस.बी.आई. 41 तथा सी.ओ.पी. 20 बैठकों में भाग लिया। भारतीय प्रतिनिधि मण्डल का नेतृत्व श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा किया गया। श्री रावत को जलवायु परिवर्तन को रोकने के उपायों पर वानिकी विशेषज्ञ के रूप में 17 सदस्यीय दल में शामिल किया गया था।

श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प. द्वारा यू.एस.ए.आई.डी. के तहत दिनांक 02 से 11 दिसम्बर 2014 तक यू.एस.ए. में पारिपद्धति सेवाओं के मूल्यांकन पर अध्ययन हेतु दौरा किया गया।

## कार्यशालायें/सेमीनार/बैठकें आदि

**भा.वा.अ.शि.प., देहरादून** द्वारा निम्नलिखित बैठकें/ कार्यशालायें आयोजित की गई :

- भा.वा.अ.शि.प., देहरादून में दिनांक 21 जुलाई 2014 को उत्तराखण्ड आर.ई.डी.डी. प्लस मार्गदर्शी परियोजना पर आरंभिक बैठक का आयोजन किया गया। डॉ. टी. पी. सिंह., स.म.नि. (बी.सी.सी.) ने आई.ई.डी.डी. प्लस की अवधारणा की ऐतिहासिक पृष्ठ भूमि प्रस्तुत की। डॉ. पराग धकाटे, आर.ई.डी.डी. प्लस, नोडल अधिकारी, उत्तराखण्ड वन विभाग ने "स्थल चयन तथा वन पंचायत समुदाय" पर प्रस्तुति दी। प्रारम्भिक बैठक में भा.वा.अ.शि.प., व.अ.सं. तथा उत्तराखण्ड राज्य वन विभाग के अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने भाग लिया।
- जलवायु परिवर्तन को रोकने के लिए भारत–यू.एस. संयुक्त कार्यकारी वर्ग की पहली बैठक दिनांक 30 जुलाई 2014 को दिल्ली में आयोजित की गई। बैठक का प्रारम्भ श्री प्रकाश जावड़ेकर, माननीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार तथा जलवायु परिवर्तन पर यू.एस.के. विशेष दूत मि. टोड्ड स्टर्न द्वारा किया गया। श्री वी. आर. एस. रावत, वैज्ञानिक–एफ ने भा.वा.अ.शि.प. का प्रतिनिधित्व किया।
- भूटान, नेपाल, म्यांमार तथा भारत के लिए आई.ई.डी.डी. प्लस क्षमता विकास कार्यक्रम के तहत संक्रियात्मक भाग को अन्तिम रूप देने के लिए भा.वा.अ.शि.प. द्वारा आई.सी.आई.एम.ओ.डी. तथा जी.आई.जेड. के सहयोग से देहरादून में दिनांक 26–28 अगस्त 2014 को तीन दिवसीय योजना कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भा.वा.अ.शि.प. (मुख्यालय), व.अ.सं., व.व.अ.सं., राज्य वन विभाग, उत्तराखण्ड, हिमाचल प्रदेश तथा हिमालय पर्यावरण एवं विकास जी.बी. पंत संस्थान के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

आर.ई.डी.डी. प्लस योजना कार्यशाला के भागीदार तथा आयोजक

### भा.वा.अ.शि.प. की 50वीं तथा 51वीं बी.ओ.जी. बैठकें

भा.वा.अ.शि.प. के बोर्ड ऑफ गवरनर्स की 50वीं बैठक का आयोजन इन्दिरा पर्यावरण भवन में दिनांक 31 अक्टूबर 2014 तथा 51वीं बैठक का आयोजन दिनांक 28 नवम्बर 2014 को भारतीय वन्यजीव संस्थान, देहरादून में किया गया। दोनों बैठकों की अध्यक्षता सचिव, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा की गई। इन बैठकों में महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. तथा बोर्ड के अन्य सदस्यों ने भाग लिया। बी.ओ.जी. की 51वीं बैठक में भा.वा.अ.शि.प. की वार्षिक रिपोर्ट 2013–14 तथा वर्ष 2013–14 की आडिट रिपोर्ट पास की गई।

- यू.एन.एफ.सी.सी.सी. – वानिकी क्षेत्र – न्यूनीकरण की कमियों तथा बाधाओं पर भारत की द्विवार्षिक अद्यतन रिपोर्ट तैयार करने हेतु दिनांक 11 सितम्बर 2014 को भा.वा.अ.शि.प., देहरादून में प्रथम एक दिवसीय परामर्शी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भा.वा.अ.शि.प., व.अ.सं. तथा उत्तराखण्ड राज्य वन विभाग के अधिकारी और वैज्ञानिक शामिल थे।
- व.व.अ.सं., जोरहाट, असम में दिनांक 16 सितम्बर 2014 को "यू.एन.एफ.सी.सी.सी. के लिए भारत की द्विवर्षीय अद्यतन रिपोर्ट–वानिकी क्षेत्र–न्यूनीकरण,

समस्यायें तथा बाधायें" विषय पर द्वितीय एक दिवसीय परामर्शी कार्यशाला का आयोजन किया गया। भा.वा.अ.शि.प., व.व.अ.सं. तथा उत्तर–पूर्वी राज्यों के वन विभागों के अधिकारियों और वैज्ञानिकों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

**व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर** द्वारा दिनांक 18 जुलाई 2014 को "बांस उत्पादक तथा संविदाकारकों की बैठक 2014" का आयोजन किया गया। बैठक का आयोजन "बांस बाजार" परियोजना के अंग के रूप में किया गया था जिसके लिए राष्ट्रीय बांस मिशन द्वारा तमिलनाडु फलोद्यान विकास निकाय, चेन्नई के जरिये निधिकरण सहायता प्रदान की गई। बैठक में करीब 100 बांस उत्पादक तथा 8 बांस उद्यमी उपस्थित थे। इसी में "बांस बाजार सूचना केन्द्र" का उद्घाटन दिनांक 18 जुलाई 2014 को किया गया तथा इस दौरान बांस के उत्पादों की एक प्रदर्शनी आयोजित की गई।

**का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर** द्वारा "रेगिस्तानीकरण का मुकाबला करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की अवधारणा पर 10 वर्षीय रणनीति हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम की रूपरेखा" पर का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर में दिनांक 12 नवम्बर 2014 को एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

**व.व.अ.सं., जोरहाट** द्वारा कंचनपुर के लाभार्थियों के लिए सी.एफ.एल.ई., अगरतला में दिनांक 20 दिसम्बर 2014 को वन आधारित जीविकोपार्जन योजना के तहत संवादात्मक बैठक का आयोजन किया गया।

**व.व.अ.सं., जोरहाट** द्वारा डायरेस्ट–टू–कन्ज्यूमर योजना के तहत दिनांक 18 से 30 अगस्त 2014 तक असम और अरूणाचल प्रदेश के विभिन्न जिलों के मिशिंग जनजातीय समुदाय के प्रशिक्षणार्थियों के लिए बांस प्रशिक्षण तथा हस्तशिल्प कार्यशाला का आयोजन किया गया।

**हि.व.अ.सं., शिमला** द्वारा जम्मू तथा कश्मीर के किश्तवाड़ वन प्रभाग में प्रभाग के कर्मियों तथा स्थानीय समुदायों के सहयोग से दिनांक 06 अगस्त 2014 को एन. एम.पी.बी. द्वारा निधिकृत परियोजना के तहत दो बैठकों का आयोजन किया गया।

## प्रशिक्षण कार्यक्रम

**व.अ.सं., देहरादून** द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :

- "वानिकी में भूस्खलन जोखिम प्रबन्धन" पर दिनांक 07 से 11 जुलाई 2014 तक राज्य वन विभागों के अधिकारियों के लिए एन.आई.डी.एम., नई दिल्ली के सहयोग से प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- "वन–अग्नि विनाशक जोखिम न्यूनीकरण" पर राज्य वन विभागों के 14 अधिकारियों के लिए एन.आई.डी.एम., नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 13 से 17 अक्टूबर 2014 तक प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- "वन–संवर्धन/वानिकी" पर दिनांक 15 से 19 दिसम्बर 2014 तक प्रादेशिक सेना के 28 पारि–कार्यदल कार्मिकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम।

**का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर** द्वारा "मुख्य वृक्ष प्रजातियों पर अनुसन्धान" पर कर्नाटक वन विभाग के विभिन्न प्रभागों के रेंज अधिकारी परिवीक्षार्थियों के लिए जुलाई 2014 से अक्टूबर 2014 तक 6 साप्ताहिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

**का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर** में दिनांक 03 से 05 दिसम्बर 2014 तक "वन, वन्यजीव एवं पर्यावरण संरक्षण" पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वन कर्मियों के अतिरिक्त विभिन्न विभागों के कुल 16 कर्मियों ने प्रशिक्षण में भाग लिया।

**व.व.अ.सं., जोरहाट द्वारा** निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया

- व.व.अ.सं., जोरहाट में दिनांक 22 से 24 दिसम्बर 2014 तक जीविकोपार्जन में सहायता के लिए "लाख की खेती तथा बांस चारकोल बनाने और ब्रिकेटिंग" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- असम में दिनांक 26 अगस्त 2014 को फुमेन इंग्टी गांव के लिए "जीविकोपार्जन सुरक्षा तथा कार्बन पृथक्करण" पर निम्नीकृत झूम भूमि पर बांस रोपणियों को प्रोत्साहित करने हेतु जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस तरह का दूसरा जागरूकता कार्यक्रम "जीविकोपार्जन विकास तथा कार्बन पूल सृजित करने हेतु निम्नीकृत झूम भूमियों में बांस रोपण" का आयोजन दिनांक 30 सितम्बर 2014 को देवहारी रौंग्पी गांव, असम में आयोजित किया गया।
- लंकामुरा में दिनांक 27 नवम्बर 2014 को निम्न लागत बांस उपचार टैंक (कनक कैच बांस से बना) का प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन किया गया।

**शु.व.अ.सं., जोधपुर** द्वारा संस्थान में दिनांक 15 से 19 दिसम्बर 2014 तक भा.व.से. अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

**हि.व.अ.सं., शिमला** द्वारा मन्सारी, हरीपुर, मनाली (हि.प्र.) में दिनांक 23 सितम्बर 2014 को "मूल्यवान शीतोष्ण औषधीय पादपों की खेती" पर प्रशिक्षण एवं प्रदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया।

संस्थान द्वारा में दिनांक 29 से 31 दिसम्बर 2014 तक अन्य हितधारकों के लिए "परती भूमियों का पारिपुनर्स्थापन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

## बांस तकनीकी सहायता वर्ग, (बी.टी.एस.जी.), भा.वा.अ.शि.प. के क्रिया-कलाप

**हि.व.अ.सं., शिमला** द्वारा "बांस के उत्पादन प्रबन्धन तथा विपणन" पर वन प्रबन्धन संस्थान, सुन्दर नगर में दिनांक 10 से 14 अगस्त 2014 तक पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

"बांस के उत्पादन, प्रबन्धन तथा विपणन" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

**व.अ.सं., देहरादून** में दिनांक 08 से 12 सितम्बर 2014 तक बी.टी.एस.जी. के तहत किसानों के लिए "बांस उगाने, प्रबन्धन तथा विपणन" पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

**का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर** द्वारा कर्नाटक तथा संलग्न राज्यों के क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं के लिए का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर में दो पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया – पहला दिनांक 08 से 12 सितम्बर 2014 तक तथा दूसरा दिनांक 15 से 19 सितम्बर 2014 तक।

**हि.व.अ.सं., शिमला** द्वारा "पर्वतीय बांस–ग्रामीण आजीविका में सुधार के लिए महत्वपूर्ण संसाधन" पर दिनांक 17 से 18 अक्टूबर 2014 को मनाली, जिला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमीनार का आयोजन किया गया, जिसमें देश के करीब 20 प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों ने भाग लिया। इसके अन्तर्गत दिनांक 17 से 21 अक्टूबर 2014 तक बांस हस्तशिल्प मेले का आयोजन भी किया गया जिसमें उत्तराखण्ड तथा हि. प्र. के शिल्पकार अपने उत्पादों के साथ उपस्थित थे।

## वन विज्ञान केन्द्र, के तहत किये गये क्रियाकलाप

**व.अ.सं., देहरादून** द्वारा वन विज्ञान केन्द्र के तहत नगर निगम, बागवानी विभाग तथा वन विभाग चन्डीगढ़ के अधिकारियों तथा कार्यक्षेत्रीय कर्मियों के लिए दिनांक 09 अगस्त 2014 को वन विज्ञान केन्द्र, चन्डीगढ़ में "शहरी वृक्षों तथा रोपणियों के स्वास्थ्य का मॉनीटरिंग तथा मूल्यांकन" पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

**उ.व.अ.सं., जबलपुर** द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए :

- व.वि.के., जबलपुर में "वन रोपणियों तथा वृक्षारोपणों में कीटों तथा रोगों का समन्वित प्रबन्धन" विषय पर दिनांक 27 अगस्त 2014, "मध्य क्षेत्र हेतु उपयुक्त कृषि वानिकी पद्धतियां एवं उनका प्रबन्धन" विषय पर दिनांक 18 सितम्बर 2014 तथा "उच्च गुणवत्ता के पौध उत्पादन हेतु उन्नत नर्सरी तकनीकी एवं बीजों का चयन तथा भण्डारण" विषय पर दिनांक 29 सितम्बर 2014 को तीन एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- भा.वा.अ.शि.प. तथा उसके संस्थानों के अनुसन्धान निष्कर्षों को एक समय के विशेष अनुदान के तहत विस्तारित करने और नेटवर्क को सुदृढ़ बनाने के लिए अनेक कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षणों का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में भा.वा.अ.शि.प. के संस्थानों द्वारा मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के लिए उपयुक्त 20 प्रौद्योगिकियों का प्रस्तुतीकरण किया गया।

व.वि.के., जबलपुर में प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षण कार्यक्रम

- "उन्नत नर्सरी, बीज प्रौद्योगिकी, वृक्ष सुधार तकनीक एवं कृषि वानिकी" पर दिनांक 07 दिसम्बर 2014 तथा "वन रोपणियों तथा वृक्षारोपणों के कीटों तथा रोगों का समन्वित प्रबन्धन" पर व.वि.के., जालना, महाराष्ट्र में दिनांक 08 दिसम्बर 2014 को किसानों, गैर सरकारी संगठनों के कार्मिकों तथा महाराष्ट्र राज्य वन विभाग के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

## व.वि.के. के साथ कृ.वि.के. का नेटवर्क

**का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर** द्वारा निम्नलिखित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये :

- "चंदन काष्ठ के संवर्धन" पर व.वि.के.–कृ.वि.के. द्वारा संयुक्त रूप से कृषि विज्ञान केन्द्र, आई.सी.ए.आर. अनुसन्धान परिसर, ओल्ड गोवा में दिनांक 14 अक्टूबर 2014 को प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- "चन्दन काष्ठ के संवर्धन" विषय पर ही का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर, हॉर्टीकल्चर कॉलेज, सिरसी तथा कृषि विज्ञान केन्द्र, उत्तर कन्नड़, सिरसी द्वारा संयुक्त रूप से कृषि विज्ञान केन्द्र, उत्तर कन्नड़, सिरसी में दिनांक 28 अक्टूबर 2014 को प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

## अनुसन्धान निष्कर्ष

**व.अ.सं., देहरादून** में बांस नाल आवरण से लुग्दी बनाई गई, वैली बीटर से मसला गया और इस कम उपभोज्य जैवमात्रा से हस्तनिर्मित शीटें तैयार की गई। क्षारीय स्थितियों में नाल आवरण का लुग्दीकरण किया गया। तैयार की गई शीटों के सामर्थ्य गुण मानकों के अनुरूप पाए गए।

"ट्राइको–के"– एक जैव नियंत्रक कारक

**व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर** द्वारा जैव–नियंत्रक एजेन्ट "ट्रिको–के" को सूत्रबद्ध करके किसानों के उपयोग हेतु अवमुक्त किया गया। इस जैवनियंत्रक एजेन्ट में विरोधाभासी फंगस *ट्राइकोडर्मा विरीडी* तथा पोटेशियम में घुलने वाला बैक्टीरिया *फ्रैटुरिया आरेंटिया* पाया जाता है।

एक जैवकीटनाशक – 'एन्टोफाइट नासा' का निर्माण किया गया जो सागौन पत्तियों से अलग किए गए अंतःपादपीय कवक (एन्डोफाइटिक फंगस) पर आधारित है। यह जैवकीटनाशक *टेक्टोना ग्रांडिस* एवं *एलेंथस एक्सेल्सा* के निष्पत्रकों के विरूद्ध प्रभावी है।

## नई अनुसन्धान सुविधायें

**व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर** ने हाल ही में संस्थान में एक जियोमेट्रिक्स प्रयोगशाला स्थापित की है जिसमें भौगोलिक सूचना पद्धति (जी.आई.एस.) तथा सुदूर संवेदन सुविधायें उपलब्ध हैं।

**व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर** द्वारा दो अनुसन्धान केन्द्र विकसित किये गये जिनका उद्घाटन दिनांक 13 अगस्त 2014 को किया गया। ये केन्द्र हैं : – थुवारांकुरूची अनुसन्धान केन्द्र, त्रिची वन विभाग तथा मनकारी अनुसन्धान केन्द्र, तिरूनवेली वन प्रभाग।

जैव कीटनाशक उत्पाद : एन्टोफाइट नासा

## सूचना प्रौद्योगिकी

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा सू.प्रौ. सेवाओं के तहत अनुसन्धान, प्रशासन तथा अन्य क्रिया–कलापों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की जाती है। नियमित सेवायें मुहैया कराने के साथ–साथ, समय–समय पर नई शुरूआतें की जाती हैं। आई.टी. प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान, शिमला की नई वेबसाईट अभिकल्पित एवं विकसित की गई जिसका उद्घाटन महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा 13वें वन संवर्धन सम्मेलन के दौरान किया गया।

## परामर्शी सेवायें

- **भा.वा.अ.शि.प., देहरादून** द्वारा इस अवधि के दौरान आठ "आर तथा आर" योजनाओं को पूर्ण किया गया और कर्नाटक के बेल्लारी, चित्रदुर्गा तथा तुमकुर जिलों की योजना माननीय उच्चतम न्यायालय, भारत के सी.ई.सी. के समक्ष प्रस्तुत की गई।

- सतलज नदी बेसिन, हिमाचल प्रदेश में जल–विद्युत परियोजनाओं के संयुक्त पर्यावरणीय समाघात आकलन पर अन्तिम रिपोर्ट तैयार करके ऊर्जा विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार को प्रस्तुत की गई। डी.ओ.ई. द्वारा दिनांक 08 से 09 दिसम्बर 2014 तक रिकांग प्यू तथा पू, जिला किन्नौर, हि. प्र. में लोक विचार–विमर्शी बैठकों का आयोजन किया गया।
- चम्बा जिले में 48 मेगा वाट सुरगनी सुंडला जल विद्युत परियोजना का पर्यावरणीय समाघात आकलन किया गया तथा पर्यावरणीय प्रबन्धन योजना अध्ययन रिपोर्ट हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड को प्रस्तुत की गई। दिनांक 28 दिसम्बर 2014 को सुरगनी, चम्बा, हि.प्र. में लोक सुनवाई बैठक का आयोजन किया गया।
- नकथान हाइड्रो इलेक्ट्रिक परियोजना की पर्यावरणीय समाघात आकलन रिपोर्ट तथा पर्यावरण प्रबन्धन योजना को हिमाचल प्रदेश तथा पर्यावरण प्रबन्धन योजना को हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड को प्रस्तुत किया गया। इसकी प्रस्तुति हिमाचल राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को दिनांक 8 अगस्त 2014 को दी गई। इसके अलावा बार्सेनी, कुल्लू, हि.प्र. में दिनांक 20 सितम्बर 2014 को पर्यावरण के संबंध में जन सुनवाई बैठक की गई।

**व.अ.सं., देहरादून** ने नार्दन कोलफील्ड लिमिटेड के दो स्थलों में निम्नीकृत खनन् कचरे से पारितंत्रीय पुनरूद्धार का काम शुरू किया है। इनमें से एक स्थल मध्य प्रदेश के सिंगरोली जिले में है तथा दूसरा स्थल उत्तर प्रदेश के सोनभद्र जिले में कृष्णशिला में हैं। दोनों जगह 5–5 हैक्टेयर क्षेत्र में वानिकी, फलोद्यान तथा औषधीय पादपों के बालवृक्ष रोपित किये गये। तीन महीने बाद दोनों स्थलों से अच्छे परिणाम आये हैं।

निधाई में अनावृत्त कोयला खदान क्षेत्र

दो महीनों बाद सामुदायिक विकास की प्रक्रिया

तीन महीनों बाद सामुदायिक विकास की प्रक्रिया

दो एवं तीन महीनों के उपरान्त सामुदायिक विकास की प्रक्रिया

## प्रतिष्ठित व्यक्तियों का दौरा

- श्री एम.एम. लखेड़ा, पूर्व गवर्नर मिजोरम ने दिनांक 23 जुलाई 2014 को व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया।
- रॉयल भूटान सरकार 9 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने दिनांक 03 सितम्बर 2014 को व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया।
- सुश्री उमा भारती, माननीय जल संसाधन राज्य मंत्री, भारत सरकार ने दिनांक 16 सितम्बर 2014 को व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया। उनके दौरे के दौरान डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., डॉ. पी. पी. भोजवैद, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, डॉ. जी.एस. गोराया, उप महानिदेशक (अनुसंधान) तथा श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार) उपस्थित रहे।

सुश्री उमा भारती, माननीय राज्य मंत्री, जल संसाधन मंत्रालय, भारत सरकार ने वन अनुसन्धान संस्थान का दौरा किया

- जापानी प्रतिनिधि मण्डल ने दिनांक 16 अक्टूबर 2014 को व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया।
- श्री प्रकाश सिंह बादल, मुख्य मंत्री, पंजाब ने दिनांक 27 नवम्बर 2014 को व.अ.सं., देहरादून का दौरा किया।

## राजभाषा समाचार

**भा.वा.अ.शि.प., देहरादून** में दिनांक 18 से 29 सितम्बर 2014 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया जिसका समापन दिनांक 29 सितम्बर 2014 को भा.वा.अ.शि.प. के सभागार में किया गया। इस अवसर पर डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. मुख्य अतिथि थे।

भा.वा.अ.शि.प. में हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह अवसर पर बोलते हुये भा.वा.अ.शि.प. के महानिदेशक, डॉ. अश्विनी कुमार

हिन्दी सप्ताह समारोह के दौरान पांच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल 44 भागीदार शामिल हुये। हिन्दी सप्ताह के समापन समारोह में लगभग 100 अधिकारी, वैज्ञानिक एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

**भा.वा.अ.शि.प. देहरादून** द्वारा नराकास, देहरादून के तत्वाधान में दिनांक 21 नवम्बर 2014 को भा.वा.अ.शि.प. सभागार में "घटते वन बढ़ती आपदायें" विषय पर हिन्दी में जिला स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस अवसर पर शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार), भा.वा.अ.शि.प. मुख्य अतिथि थे। श्रीमती नीना खांडेकर, स.म.नि. (मीडिया एवं विस्तार) व श्री धूमसिंह, सदस्य सचिव, नराकास, देहरादून ने सभी को संबोधित किया।

भा.वा.अ.शि.प. द्वारा जिला स्तरीय निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन

**व.व.अ.सं., जोरहाट** में हिन्दी सप्ताह – 2014, दिनांक 18 से 19 सितम्बर 2014 तक बड़े उत्साह से मनाया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गई। स्कूली बच्चों के लिए आशु भाषण प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। संस्थान में दिनांक 28 नवम्बर 2014 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन भी किया गया।

**शु.व.अ.सं., जोधपुर** में दिनांक 12 से 26 सितम्बर 2014 तक हिन्दी पखवाड़ा मनाया गया। पखवाड़े के दौरान विभिन्न प्रतियोगितायें आयोजित की गई।

**हि.व.अ.सं., शिमला** में दिनांक 27 अगस्त 2014 को हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें संस्थान के अधिकारियों तथा वैज्ञानिकों ने भाग लिया। संस्थान में दिनांक 19 से 24 सितम्बर 2014 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया, जिसके अन्तर्गत अनेक प्रतिस्पर्धाएं आयोजित की गई।

**व.उ.सं., रांची** में दिनांक 01 से 15 सितम्बर 2014 तक हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया गया। इस दौरान विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं।

**का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर** में दिनांक 15 से 28 सितम्बर 2014 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया।

**व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर** में दिनांक 15 सितम्बर 2014 को हिन्दी दिवस मनाया गया।

## वार्षिक समीक्षा

**भा.वा.अ.शि.प., देहरादून** द्वारा इसके संस्थानों में जारी अनुसन्धान परियोजनाओं की वार्षिक समीक्षा की जाती है जिसमें परियोजनाओं को यथासमय पूरा करने के उपाय तथा उपलब्धियों की समीक्षा की जाती है। अगस्त से दिसम्बर 2014 तक भा.वा.अ.शि.प. के सभी संस्थानों में जारी तथा पूर्ण की गई परियोजनाओं की वार्षिक समीक्षा की गई। कुल 363 परियोजनाओं (258 परियोजनायें भा.वा.अ.शि.प., तथा 105 बाहय स्रोतों से निधिकृत) की वार्षिक समीक्षा की गई।

## अनुसन्धान सलाहकार वर्ग (आर.ए.जी.) की बैठकें

**भा.वा.अ.शि.प., देहरादून** के आठ संस्थानों द्वारा 2014–15 के लिए निम्नानुसार आर.ए.जी. की बैठकों का आयोजन किया गया :

| संस्थान का नाम | आर.ए.जी. बैठक की तारीख |
|---|---|
| उ.व.अ.सं., जबलपुर | 10 तथा 11 नवम्बर 2014 |
| व.व.अ.सं., जोरहाट | 12 नवम्बर 2014 |
| शु.व.अ.सं., जोधपुर | 13 तथा 14 नवम्बर 2014 |
| हि.व.अ.सं., शिमला | 14 नवम्बर 2014 |
| व.उ.सं., रांची | 18 से 19 नवम्बर 2014 |
| व.जै.सं., हैदराबाद | 5 दिसम्बर 2014 |
| का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर | 16 से 17 दिसम्बर 2014 |
| व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर | 18 से 19 दिसम्बर 2014 |

## हितधारकों की बैठकें

- ★ उत्तराखण्ड आर.ई.डी.डी. प्लस परियोजना के हितधारकों का परामर्श उत्तराखण्ड वन विभाग के अधिकारियों के साथ वन प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी में दिनांक 19 सितम्बर 2014 को किया गया था।
- ★ का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर द्वारा दिनांक 28 अक्टूबर 2014 के हितधारकों की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में राज्य वन विभाग, काष्ठ एवं सबद्ध उद्योगों, अकादमियों के हितधारकों ने भाग लिया।
- ★ हि.व.अ.सं., शिमला द्वारा वानिकी अनुसन्धान आवश्यकतायें चिन्हित करने हेतु दिनांक 17 सितम्बर 2014 को हितधारकों की बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें राज्य वन विभागों के वरिष्ठ वन अधिकारियों, कार्यक्षेत्रीय वन अधिकारियों, विश्वविद्यालयों/अनुसन्धान संस्थानों के वैज्ञानिकों, गैर सरकारी संगठनों, प्रगतिशील किसानों तथा महिला मण्डल आदि ने भाग लिया।

## विश्वविद्यालयों का प्रत्यायन

एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, सम हिग्गिन बॉटम कृषि प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान, इलाहाबाद कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, शिमोगा बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, झालवाड़, केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिसूर, नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, कुमांऊ विश्वविद्यालय, नैनीताल कृषि–विज्ञान विश्वविद्यालय,

धारवाड़, डॉ. वाई.एस.पी. बागवानी एवं वानिकी विश्वविद्यालय, सोलन, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना तथा उड़ीसा कृषि तथा प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उड़ीसा से प्रत्यायन के प्रस्ताव प्राप्त हुये हैं। विश्वविद्यालयों के मूल्यांकन के लिए उनका भ्रमण करने हेतु निरीक्षण दल का गठन किया गया है।

### अनुसन्धान एवं विस्तार के साथ वानिकी शिक्षा का नेटवर्क

"नेटवर्किंग एन.टी.एफ.पी. परियोजनाओं" के तहत गठित समिति द्वारा विश्वविद्यालयों से प्राप्त स्थिति रिपोर्ट तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डी.पी.आर.) का मूल्यांकन किया गया। इस अवधि तक रू. 4, 86, 250.00 का निधिकरण, दो विश्वविद्यालयों, एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर (उत्तराखण्ड) तथा तमिलनाडु कृषि विश्वविद्यालय, मेटुपलायम (तमिलनाडु) को किया जा चुका है।

### पादप स्वच्छता प्रमाणीकरण

- भारत के राष्ट्रपति द्वारा महाबोधि वृक्ष का बालवृक्ष वियतनाम सरकार को भेंट किया गया। इस विषय में दिनांक 12 से 13 सितम्बर 2014 को व.अ.सं., देहरादून के वैज्ञानिकों ने राष्ट्रपति भवन जाकर बालवृक्ष की जांच की और उपचार किया। पुनः परीक्षण के उपरान्त पादप स्वच्छता प्रमाणपत्र जारी किया गया।
- वन अनुसन्धान संस्थान, देहरादून के वैज्ञानिकों की टीम ने महाबोधि वृक्ष के बालवृक्ष की जांच की और नवम्बर 2014 में माननीय प्रधानमंत्री के नेपाल दौरे के दौरान बालवृक्ष को महामाया मंदिर, लुम्बिनी में आवश्यक उपचार के उपरान्त रोपण के लिए पादप–स्वच्छता प्रमाण पत्र जारी किया।

## राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

### अन्तर्राष्ट्रीय :

- "प्रिकली अकेशिया नई जैव नियंत्रण सुविधायें : भारत में खोज" पर कृषि विभाग, मत्स्य–पालन एवं वानिकी, आस्ट्रेलिया तथा व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर के बीच जारी परियोजना के विस्तार का अनुमोदन किया गया।
- संयुक्त राज्य अन्तर्राष्ट्रीय विकास निकाय तथा व.अ.सं., देहरादून के बीच फॉरेस्ट–प्लस कार्यक्रम के तहत टेट्रा–टेक अनुसन्धान संविदा का अनुमोदन किया गया, जिसके अन्तर्गत यू.एस.ए.आई.डी. के फॉरेस्ट–प्लस के क्रियान्वयन हेतु ग्रामीण विकास के टेट्राटेक एसेसियेट्स के साथ "आवश्यकता पड़ने पर सहभागिता" को स्वीकार्यता प्रदान की गई।

### राष्ट्रीय :

- व.जै.सं., हैदराबाद द्वारा राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड के लिए निधिकृत "जड़ीय उद्यान की स्थापना" पर परियोजना।
- वन जैवविविधता संस्थान, हैदराबाद तथा एन.आर.एस.ए., हैदराबाद के बीच "राष्ट्रीय कार्बन परियोजना के अनुरूप वनस्पति कार्बन पूल आकलन हेतु आई.एस.आर.ओ. की भू–स्थलीय जैव मण्डल कार्यक्रम की उपयोजना" पर परियोजना।
- आई.टी.सी., जीवन विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी केन्द्र, बैंगलोर के साथ आई.एफ. जी.टी.बी., कोयम्बटूर की दो सहयोगात्मक परियोजनायें तथा "स्तरीय अगरबत्ती तीलियां" उत्पादन के लिए उपयुक्त बांस प्रजाति के चयन" हेतु दो सहयोगात्मक परियोजनाएं।

## विविध

### विश्व पर्यावरण दिवस तथा व.अ.सं. दिवस

**व.अ.सं., देहरादून** में दिनांक 05 जून 2014 को विश्व पर्यावरण दिवस तथा व.अ.सं. दिवस उल्लास के साथ मनाया गया। संस्थान के सूचना केन्द्र के प्रांगण में विशेष प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर डॉ. एस. पी. सिंह., डॉ. जी. एस. गोराया तथा व.अ.सं., और भा.वा.अ.शि.प. के अन्य अधिकारियों ने भी बालवृक्षों का रोपण किया।

**व.उ.सं., रांची** द्वारा दिनांक 11 जुलाई 2014 को "वन महोत्सव" मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रजातियों का रोपण किया गया।

**का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर** में वन महोत्सव दिनांक 07 जुलाई 2014 को मनाया गया। संस्थान परिसर में विभिन्न प्रजातियों का रोपण किया गया।

**हि.व.अ.सं., शिमला** में दिनांक 12 अगस्त 2014 को वन महोत्सव मनाया गया। समारोह के दौरान देवदार (*सीड्रस देवदारा*) तथा अन्य महत्वपूर्ण औषधीय पादपों के बालवृक्षों का रोपण किया गया।

**शु.व.अ.सं., जोधपुर** तथा जे.एन.व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर द्वारा वन महोत्सव संयुक्त रूप में मनाया गया। इस अवसर पर श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, माननीय संसद सदस्य, जोधपुर मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर बाल वृक्षों का रोपण किया गया।

### सतर्कता जागरूकता सप्ताह

**व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर** द्वारा सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2014, 27 अक्टूबर से 1 नवम्बर 2014 तक मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह 31 अक्टूबर 2014 को किया गया। का.वि.प्रौ.सं., बैंगलोर तथा हि.व.अ.सं., शिमला में भी सतर्कता सप्ताह मनाया गया।

**व.अ.सं., देहरादून** में दिनांक 27 अक्टूबर से 01 नवम्बर 2014 तक "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" मनाया गया। डॉ. पी. पी. भोजवैद, निदेशक, व.अ.सं., द्वारा संस्थान के सभी कर्मचारियों को शपथ दिलाई गई। समारोह के दौरान "भ्रष्टाचार से संघर्ष में प्रौद्योगिकी की समर्थ भूमिका" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता आयोजित की गई।

### स्वच्छ भारत अभियान

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिनांक 02 अक्टूबर 2014 को "स्वच्छ भारत अभियान दिवस" घोषित किया गया। भा.वा.अ.शि.प. तथा इसके संस्थानों में पूरे उत्साह के साथ स्वच्छ भारत अभियान का क्रियान्वयन किया गया। भा.वा.अ.शि.प. मुख्यालय में डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने भा.वा.अ.शि.प. देहरादून के सभी अधिकारियों, वैज्ञानिकों तथा कर्मियों को शपथ दिलाई। महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा स्वच्छता के महत्व तथा साफ–सफाई रखने में व्यक्ति की भूमिका पर संक्षिप्त व्याख्यान दिया गया जिसके बाद सभी अधिकारी, वैज्ञानिक और कार्मिक कई घंटों तक पूरी शक्ति से भा.वा.अ.शि.प. के भवन तथा परिसर की सफाई करने में जुट गये। भा.वा.अ.शि.प. के सभी संस्थानों में निदेशक, प्रभाग प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी तथा वैज्ञानिक आदि के नेतृत्व में शपथ दिलाई गई और स्वच्छता अभियान चलाया गया।

महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., व.अ.सं. में स्वच्छ भारत अभियान का नेतृत्व करते हुये

## राष्ट्रीय एकता दिवस

**व.अ.सं., देहरादून** में दिनांक 31 अक्टूबर 2014 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के 139वें जन्म दिवस के अवसर पर "राष्ट्रीय एकता दिवस" मनाया गया। डॉ. पी. पी. भोजवैद, निदेशक, व.अ.सं.,देहरादून ने सरदार पटेल की फोटो पर पुष्पांजली भेंट करने के उपरान्त संस्थान के सभी कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर "एकता के लिए दौड़" का आयोजन किया गया।

## बांस उपचार केंद्रों की स्थापना

**व.अ.वि.के., अगरतला** द्वारा नौगांव, त्रिपुरा में बांस उपचार केन्द्र की स्थापना की गई जिसे दिनांक 3 दिसम्बर 2014 में पद्मा स्वयं सहायता समूह के तहत प्रचालन में लाया गया। यहां पर ग्रामीणों के समक्ष प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन किया गया। मार्स सोसियो वेल्फेयर सोसायटी द्वारा व.अ.वि.के., अगरतला के सहयोग से कंचनपुर, त्रिपुरा में एक अन्य बांस उपचार केन्द्र की स्थापना भी की गई।

## डॉ. अश्विनी कुमार, भा.व.से., महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा भा.वा.अ.शि.प. संस्थानों का दौरा

**डॉ. अश्विनी कुमार,** महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून द्वारा दिनांक 01 और 02 नवम्बर 2014 को उ.व.अ.सं. का दौरा किया गया। उन्होंने उ.व.अ.सं., जबलपुर में वानिकी परिचय केन्द्र, वन निर्वचन केन्द्र तथा म्यूजियम एवं मिस्ट चैम्बर का उद्घाटन किया। उन्होंने जारी की जा रहे अनुसन्धान किया–कलापों की समीक्षा के लिए वैज्ञानिकों के साथ बैठक की अध्यक्षता की।

महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. ने उ.व.अ.सं., जबलपुर में वानिकी परिचय केन्द्र तथा संग्रहालय का उद्घाटन करते हुए

**महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प.** द्वारा दिनांक 19 से 20 नवम्बर 2014 को व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर का दौरा किया गया। उन्होंने "एन्टोफाइट नासा" तथा जैवनियंत्रण एजेंट "ट्राइको–के" को अवमुक्त किया। उन्होंने टिड्डे (ग्रास होपर)पर एक पुस्तक का विमोचन भी किया। महानिदेशक ने संस्थान के वैज्ञानिकों की टीम को प्रमाणपत्र दिये जिन्होंने *कैन्यूरियाना* तथा *यूकेलिप्टस* के 17 कृन्तकों को विकसित किया था। उन्होंने व.आ.वृ.प्र.सं. की रजत जयन्ती के उपलक्ष में वरिष्ठ स्टॉफ सदस्यों को स्मृति चिन्ह भेंट किये। महानिदेशक ने दिनांक 20 नवम्बर 2014 को वन परिसर में वन आनुवंशिकी संसाधन नेटवर्क काम्पलेक्स को कार्य निष्पादन हेतु चालू घोषित किया। उन्होंने मिन्नी कटिंग तकनीक के जरिये नई वानस्पतिक प्रसारण सुविधा को भी कार्य निष्पादन हेतु खुला घोषित किया। महानिदेशक ने परिसर में सौ वर्ष पुराने वन संग्रहलय का दौरा किया और जारी नवीनीकरण कार्यों की समीक्षा की।

एक जैव कीटनाशी उत्पाद – एन्टोफाइट नासा का महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. द्वारा विमोचन

**महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प.** द्वारा दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान शु.व.अ.सं., जोधपुर तथा वहां के प्रायोगिक कार्यक्षेत्र का दौरा किया गया। उन्होंने शु.व.अ.सं. के अधिकारियों/कर्मचारियों तथा मीडिया के लोगों से परामर्श भी किया।

**महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प.** मनाली में दिनांक 18 अक्टूबर 2014 को पहाड़ी बांस पर राष्ट्रीय सेमीनार के अन्तिम सत्र की अध्यक्षता की। महानिदेशक ने दिनांक 28 नवम्बर 2014 को हिमालयन वन अनुसन्धान संस्थान (हि.व.अ.सं), शिमला की नई वेबसाईट का उद्घाटन किया। उन्होंने अपने प्रवास के दौरान पुस्तकालय के नये भवन का उद्घाटन भी किया।

**डॉ. अश्विनी कुमार, भा.वा.अ.शि.प.** ने दिनांक 23 और 24 दिसम्बर 2014 को व.उ.सं., रांची का दौरा किया। अपने प्रवास के दौरान उन्होन ई–पत्रिका "शोध तरू" का विमोचन भी किया।

**संरक्षक :**

डॉ. अश्विनी कुमार, महानिदेशक

**सम्पादक मण्डल :**

श्री शैवाल दासगुप्ता, उप महानिदेशक (विस्तार) – **अध्यक्ष**

श्रीमती नीना खांडेकर, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)
**– मानद सम्पादक**

श्री रमाकान्त मिश्र, अनुसन्धान अधिकारी (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग)
**– सदस्य**

- "वानिकी समाचार" में प्रकाशित सामग्री सम्पादक मण्डल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।
- प्रकाशन हेतु सामग्री मानद सम्पादक को प्रेषित की जा सकती है।
- डिजिटल संस्करण www.icfre.gov.in पर उपलब्ध है।

**प्रेषक :**
**श्रीमती नीना खांडेकर**
सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार)
विस्तार निदेशालय, भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद्
पो.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248 006
ई–मेल : adg_mp@icfre.org
दूरभाष : 0135–2755221, फैक्स : 0135–2750693